पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 26 मार्च, 2022 | वर्ष-14 | अंक -341 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

सामग्री महंगी होने से रुक सकता है फ्लैटों का निर्माण कार्य

■ क्रेडाई ने कहा कि संगठन के सदस्य निर्माण कार्य रोकने की कर रहे तैयारी

नोएडा, 25 मार्च (देशबन्धु)। जनपद में बिल्डर कंस्ट्रक्शन काम रोक सकते हैं। इसकी वजह लगातार बढ़ रहा कंस्ट्रक्शन मटेरियल दाम है। क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने भी अपने बयान में यह कह दिया है, संगठन के सभी सदस्य निर्माण कार्य रोकने की तैयारी कर रहे हैं। इसकी वजह सीमेंट, स्टील सहित सभी कच्चे माल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का होना है। ऐसे में निर्माण लागत भी करीब 500 रुपए प्रति स्क्वॉयर फीट बढ़ गई है। इस कारण समय से घर बनाकर दे पाना अब उनके लिए मुश्किल हो गया है। देखा जाए तो नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दो लाख फ्लैट है जिनका काम बाकी है। रेरा में सभी प्रोजेक्ट की डेड लाइन तय है, लेकिन अब क्रेडाई अपने हाथ खड़े कर रही है। वह जल्द ही रेरा के समक्ष जा सकते है हालांकि बायर्स से जुड़ी संस्था नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि यहां रियल स्टेट में 2009-10 में बूम आया। बिल्डरों को जमीन अलॉट की गई। बिल्डरों को 2014-15 में बायर्स को पजेशन देना था। बायर्स ने फ्लैटों की कुल लागत का करीब 95 प्रतिशत पैसा बिल्डर को दे दिया है। ऐसे में 2 साल से कोरोना और अब कंस्ट्रक्शन कास्ट का बहाना बनाकर ये लोग फ्लैटों को और डिले करना चाहते हैं।

क्या कहते हैं बिल्डर

वाइस प्रेसिडेंट क्रेडाई और सीएमडी मनोज गौड़ ने बताया, कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि चिंताजनक है। महामारी ने पिछले 2 वर्षों से पहले ही कई परियोजनाओं को रोक दिया है। अब कीमतें डेवलपर्स की सामर्थ्य से परे हैं। स्टील की कीमतें 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई हैं और अन्य कच्चे माल में इनपुट लागत में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। हम समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को वितरित नहीं कर पाएंगे और यह ग्राहक-डेवलपर संबंध को भी नुकसान पहुंचाएगा।

एसकेए ग्रुप के डायरेक्टर संजय शर्मा ने बताया कि एनसीआर में रियल एस्टेट डेवलपर्स निर्माण स्थलों पर काम रोकने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ हफ्तों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके

परिणामस्वरूप निर्माण लागत में भारी वृद्धि हुई है। हम सभी सरकारी एजेंसियों से इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का अनुरोध करते हैं, क्योंकि इससे घरों की बिक्री मूल्य में वृद्धि होगी। इससे घरों की डिलीवरी बुरी तरह प्रभावित होगी।

गुलशन होम्ज के निदेशक दीपक कपूर ने बताया, कच्चे माल की कीमतें पिछले दो से तीन महीनों में उच्च स्तर पर हैं। युद्ध के प्रभाव के कारण स्थिति और खराब हो गई है। इस स्थिति ने डेवलपर्स को निर्माण स्थलों पर काम रोकने के लिए मजबूर किया है। यह एनसीआर रियल एस्टेट मार्केट को भी प्रभावित करेगा।

निर्माण के लिए जरूरी सामान	जनवरी	मार्च
सीमेंट	365 रुपए प्रति बोरी	410 रुपए प्रति बोरी
सरिया	50 से 52 रुपए प्रति किलो	85 रुपए प्रति किलो
ईंट	5000 रुपए (1000 ईंट)	6400 रुपए (1000 ईंट)
तार	65 रुपए प्रति किलो	100 रुपए प्रति किलो